कोविड-19 संबंधित टीकाकरण व्यवधानों का स्वास्थ्य पर प्रभाव

प्रिलिम्स के लिये:

कोविड-19 महामारी, खसरा, रूबेला, HPV (ह्यूमन पैपिलोमावायरस), हेपेटाइटिस B, डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (DTP) वैक्सीन।

मेन्स के लिये:

कोविड-19 संबंधित टीकाकरण व्यवधानों के स्वास्थ्य प्रभाव, सरकारी नीतियाँ एवं हस्तक्षेप।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

"वर्ष 2020-30 की अवधि में 112 देशों में **कोविड-19 संबंधित टीकाकरण व्यवधानों के स्वास्थ्य प्रभावों का आकलन: एक मॉडलिंग अध्ययन" शीर्षक** से एक हालिया अध्ययन **द लैंसेट ग्लोबल हेल्थ पत्रिका** में प्रकाशित हुआ था। यह इस बात पर ज़ोर देता है कि कैसे कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक टीकाकरण में गिरावट आई, जिससे बीमारी का प्रकोप और बोझ बढ़ गया।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

- **वैश्विक टीकाकरण में गिरावट:**
  - कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक टीकाकरण कवरेज में गिरावट आई, जिससे विभिन्न देशों में **बीमारी का बोझ एवं इसके विस्तार का खतरा बढ़** गया।
  - यह अनुमान लगाया गया है कि खसरा, रूबेला, HPV (ह्यूमन पैपिलोमावायरस), हेपेटाइटिस B, **मेनिनजाइटिस A तथा येलो फीवर के टीकाकरण में व्यवधान के कारण वर्ष 2020-2030 के दौरान लगभग 49,119 अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं,** इस मृत्यु दर की वृद्धि में खसरा मुख्य योगदानकर्त्ता है।
    - वर्ष 2020-2030 के लिये सभी 14 रोगजनकों के **टीकाकरण कवरेज में व्यवधान के परिणामस्वरूप दीर्घकालिक प्रभाव में 2.66% की कमी** हो सकती है, जिससे **होने वाली मौतों की संख्या 37,378,194 से घटकर 36,410,559 हो सकती** है।
- **कैच-अप टीकों का महत्त्व:**
  - **सरकार द्वारा विशेष रूप से खसरा और येलो फीवर जैसी बीमारियों** के लिये **कैच-अप टीकों** के महत्त्व पर ज़ोर दिया गया है, जिनमें महामारी के बाद तत्काल वृद्धि देखी गई है।
  - कैच-अप गतिविधियाँ मौतों को रोकने में प्रभावी पाई गईं, जिनमें **खसरा, रूबेला, HPV, हेपेटाइटिस-B और येलो फीवर से संबंधित लगभग 79% मौतों को रोकने की क्षमता** थी।
- **DTP वैक्सीन कवरेज पर प्रभाव:**
  - इस महामारी ने **डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (DTP) टीकों के कवरेज** को प्रभावित किया, जिसके परिणामस्वरूप वैश्विक स्तर पर 2021 में अतिरिक्त 6 मिलियन बच्चे टीकाकरण से वंचित रह गए।
- **खसरे के मामलों का पुनरुत्थान:**
  - कई देशों में खसरे के मामले फिर से सामने आए हैं, जिनमें यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देश भी शामिल हैं, जहाँ **पहले खसरे को समाप्त माना गया** था।
    - वर्ष 2021 में 18 देशों में टीकाकरण अभियानों में कोविड-19 से संबंधित देरी के कारण लगभग 61 मिलियन खसरे के टीके की खुराक स्थगित कर दी गई।
    - इसके अलावा वर्ष 2022 में **वर्ष 2021 के स्तर की तुलना में वैश्विक स्तर पर खसरे के मामलों और मौतों में वृद्धि** हुई, क्योंकि **नाइजीरिया, पाकिस्तान एवं भारत** जैसे देशों में लाखों बच्चों को टीके की खुराक नहीं मिली।
- **सिफारिशें:**
  - **कैच-अप गतिविधियों की प्रभावशीलता:** अध्ययन ने सुझाव दिया कि कैच-अप टीकाकरण गतिविधियों को लागू करने से कैलेंडर वर्ष 2023 और 2030 के बीच संभावित रूप से 78.9% अतिरिक्त मौतों को रोका जा सकता है।
    - इसका मतलब यह है कि सक्रिय कैच-अप प्रयासों में **वैक्सीन-कवरेज व्यवधानों के प्रतिकूल प्रभावों को महत्त्वपूर्ण रूप से**

कम करने की क्षमता है।
- **कैच-अप गतिविधियों के कार्यान्वयन और लक्ष्य निर्धारण का महत्त्व:** विशिष्ट समूहों और व्यवधानों से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों के अनुरूप **कैच-अप टीकाकरण गतिविधियाँ** समय पर कार्यान्वयन के लिये महत्त्वपूर्ण है।
  - यह योजनाबद्ध दृष्टिकोण टीका कवरेज को बेहतर बनाने और अल्प प्रतिरक्षण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में मदद कर सकता है।
- **टीकाकरण के निरंतर प्रयासों का महत्त्व:** विशेष रूप से HPV जैसे टीकों के लिये निरंतर टीकाकरण प्रयास महत्त्वपूर्ण है जो गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर को रोकने में अहम भूमिका निभाते हैं।
  - यह दीर्घकालिक सार्वजनिक स्वास्थ्य लाभ सुनिश्चित करने के लिये व्यवधानों की स्थिति में भी जारी टीकाकरण अभियान की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

टीकाकरण से संबंधित प्रमुख पहल क्या हैं?

- **वैश्विक:**
  - **टीकाकरण प्रतिरक्षण एजेंडा 2030 (IA2030):** यह 2021-2030 के दशक के लिये टीकों और प्रतिरक्षा के लिये एक महत्त्वाकांक्षी, व्यापक **प्रतिरक्षण रणनीति- 2030**,वैश्विक दृष्टि एवं रणनीति निर्धारित करता है।
    - **दशक के अंत तक IA2030 का लक्ष्य:**
      - किसी भी प्रकार का टीका प्राप्त न कर पाने वाले बच्चों की संख्या में 50% की कमी करना।
      - निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 500 नए अथवा कम उपयोग किये जाने वाले टीकों की शुरुआत का लक्ष्य प्राप्त करना।
      - बचपन के आवश्यक टीकों के लिये 90% कवरेज प्राप्त करना।
  - **विश्व टीकाकरण सप्ताह:** यह प्रत्येक वर्ष अप्रैल के अंतिम सप्ताह में मनाया जाता है।
  - **बिग कैच-अप पहल:** इसे **WHO, UNICEF, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन** द्वारा **टीकाकरण एजेंडा 2030** एवं कई अन्य वैश्विक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य भागीदारों की सहायता से लॉन्च किया गया था, जो कि **कोविड 19 महामारी के बाद बच्चों के टीकाकरण में वृद्धि** करने हेतु लक्षित एक वैश्विक प्रयास है।
- **भारतीय पहल:**
  - **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP):**
    - यह कार्यक्रम टीकाकरण के माध्यम से रोकी जा सकने वाली 12 व्याधियों के लिये मुफ्त टीकाकरण सुनिश्चित करता है।
    - **राष्ट्रीय स्तर पर 9 बीमारियों के खिलाफ:** डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टेटनस, पोलियो, खसरा, रूबेला, बचपन के तपेदिक का गंभीर रूप, हेपेटाइटिस B और हेमोफिलस इन्फ्लूएंज़ा टाइप-B के कारण होने वाला मेनिनजाइटिस एवं निमोनिया।
    - **उप-राष्ट्रीय स्तर पर 3 बीमारियों के खिलाफ:** रोटावायरस डायरिया, न्यूमोकोकल निमोनिया और जापानी इंसेफ्लाइटिस।
    - **UIP की दो प्रमुख उपलब्धियाँ:** वर्ष 2014 में **पोलियो का उन्मूलन** और **वर्ष 2015 में मातृ व नवजात टेटनस का उन्मूलन**।
  - **मिशन इंद्रधनुष:**
    - स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MOHFW) द्वारा **UIP के तहत** सभी **टीकाकरण से वंचित और आंशिक टीकाकरण वाले बच्चों का टीकाकरण** करने **के लिये** वर्ष 2014 में **मिशन इंद्रधनुष (MI)** शुरू किया गया था।
      - इसे कई चरणों में क्रियान्वित किया जा रहा है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. एडीनोवायरसों में एकल-तंतु DNA संजीन (जीनोम) होते हैं, जबकि रेट्रोवायरसों में द्वि-तंतु DNA संजीन (जीनोम) होते हैं।
2. कभी-कभी सामान्य जुकाम एडीनोवायरस के कारण होता है, जबकि एड्स (AIDS) रेट्रोवायरस के कारण होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. कोवडि-19 महामारी के दौरान वैश्वकि स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने में वशि्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की भूमकिा का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (2020)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/health-effects-of-covid-19-related-immunisation-disruptions